आयोग का अध्ययन दौरा एवं भ्रमण

मान. श्री देवलाल दुग्गा, अध्यक्ष (केबिनेट मंत्री दर्जा) छ.ग. राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग रायपुर का जिला– कोरबा प्रवास दिनांक– 4.4.2011 से 7.4.2011

———————————————————————————————

मान. श्री देवलाल दुग्गा, अध्यक्ष (केबिनेट मंत्री दर्जा) छ.ग. राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग रायपुर दिनांक– 4.4.2011 से 7.4.2011 तक कोरबा जिले के प्रवास पर रहें । इस अवधि में मान. अध्यक्ष महोदय द्वारा बाल्को पावर प्लांट, सी.एस.पी.डी.एल. पावर प्लांट, आदिवासी क्षेत्रों का भ्रमण, विभागीय छात्रावास का निरीक्षण, आदिवासी जनप्रतिनिधियों से भेंट कर अनुसूचित जनजाति में सम्मिलित करने हेतु जनसुनवाई तथा कलेक्टर, जिला– कोरबा एवं जिला अधिकारियों के साथ जिला स्तरीय समीक्षा बैठक ली गई । इस अवसर पर आयोग के सदस्य सचिव श्री बद्रीश सुखदेवे एवं सहा. अनुसंधान अधिकारी भी साथ में उपस्थित थे ।

धनुहार/धनवार/धनुवार जाति की जनसुनवाईः–

दिनांक– 4.4.2011 को पंचवटी विश्राम गृह कोरबा में मान. अध्यक्ष महोदय द्वारा धनुहार/धनवार/धनुवार जाति की जनसुनवाई की गई । जिसमें लगभग 150 व्यक्ति उपस्थित रहें । मान. अध्यक्ष द्वारा उक्त समाज के रहन–सहन, बोली– भाषा, रीति रिवाज, गीत जन्म संस्कार, मृत्यु संस्कार, विवाह संस्कार, शिक्षा देवी– देवता, टोनम– टोटका आदि के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई ।

स्थल निरीक्षण दिनांक– 5.4.2011ः–

मान. अध्यक्ष महोदय द्वारा जनपद पंचायत कटघोरा में प्रशिक्षण प्राप्त आदिवासी हितग्राही श्री प्रहलाद सिंह ग्राम– नवागांव वि.ख.– कटघोरा को सेन्टिंग प्लेट का वितरण किया गया । मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कटघोरा को उक्त हितग्राही को शासकीय भवन निर्माण के कार्य में अवसर देने के निर्देश दिये गये ।

कन्या आश्रम घनीपरवना का निरीक्षण

दिनांक– 4.5.2011 को मान. अध्यक्ष महोदय द्वारा 50 सीटर्स प्राथमिक (कक्षा 1 से 5 तक) कन्या आश्रम धनीपरवना, वि.ख.– पोड़ी उपरोड़ा का आकस्मिक निरीक्षण

किया गया। आश्रम की अधीक्षिका श्रीमती सोनाराम द्वारा आश्रम के गतिविधियों की जानकारी दी गई । उक्त आश्रम भवन 2004 में बना है । भवन एवं कक्षा साफ सुथरे पाये गये । आश्रम में अध्ययनरत छात्रायें पढ़ाई एवं मिलने वाले भोजन से संतुष्ट है । बालिकाओं द्वारा उक्त आश्रम को मिडिल स्तर तक उन्नयन करने की मांग मान. अध्यक्ष महोदय से की गई, जिस पर मान. अध्यक्ष महोदय द्वारा राज्य शासन को प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये गये । मान. अध्यक्ष महोदय द्वारा बच्चों को टाफी वितरित की गई ।

ग्राम– तानाखार में शकाम्बरी योजना का निरीक्षणः–

मान. अध्यक्ष महोदय ने कृषि विभाग द्वारा संचालित शकाम्बरी योजना अंतर्गत लाभान्वित आदिवासी हितग्राही श्री होरी सिंह, श्री सुन्दर सिंह ग्राम– तानाखार, वि.ख.– पोड़ी उपरोड़ा को भेंट किया । हितग्राहियों द्वारा बताया गया कि उन्हें कृषि विभाग द्वारा योजनान्तर्गत जिसकी सहायता से खेती कर रहे है । डीजल पम्प प्रदाय करना बताया गया । योजनान्तर्गत 75 प्रतिशत अनुदान तथा 25 प्रतिशत कृषक अंश होना बताया गया ।

ग्राम– तानाखार के ग्रामिणों द्वारा शिकायत की गई कि उक्त गांव में सिचाई हेतु स्टाप डेम बनाया गया है किन्तु पानी नहीं रूकता । जलसंसाधन विभाग से कार्यवाही के निर्देश दिये गये ।

शासकीय कोसा बीज केन्द्र बरपालीः–

दिनांक– 5.4.2011 को मान. अध्यक्ष महोदय द्वारा शासकीय कोसा बीज केन्द्र बरपाली वि.ख.– पोडी उपरोड़ा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया । प्रभारी अधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि कोसा केन्द्र में 2 फसले ही ली जाती है । कोसा धागा उत्पादन के कार्य में प्रति वर्ष प्रत्येक हितग्राहियों को 30–35 हजार रूपये प्राप्त हो जाते है । बरसात में हितग्राही अण्डो की देखरेख करते है । दो हितग्राही क्रमशः श्री नवरतन सिंह एवं श्री ईश्वर राम से मान. अध्यक्ष महोदय ने भेंट भी किए ।

ग्राम– पाथा वि.ख.– पोड़ी उपरोड़ाः–

दिनांक– 5.4.2011 को मान. अध्यक्ष महोदय ने ग्राम– पाथा. वि.ख.– पोड़ी उपरोड़ा में धनवार जाति के श्री जयलाल के घर जाकर भेंट कर उनके रहन सहन, रीति–रिवाज, बोली– भाषा, संस्कृति आदि की जानकारी प्राप्त की गई । घर में वनोपज महुआ सूखते हुए पाया गया ।

ग्राम– ठिर्रोआमा, वि.ख.– पोड़ी उपरोड़ाः–

मान. अध्यक्ष महोदय द्वारा दिनांक– 5.4.2011 को ग्राम पंचायत लालपुर अंतर्गत ग्राम ठिर्रोआमा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया । उक्त ग्राम में विलुप्त होती जनजातीय प्रजाति पहाड़ी कोरवा निवास करती है । जनपद पंचायत द्वारा वर्ष 2006– 07 में उक्त आदिवासी हितग्राहियों के लिए बनाये गये इंदिरा आवास का अवलोकन किया गया । उक्त आवास में छत/खपरा एवं दरवाजा नहीं पाया गया । ग्रामिणों द्वारा छत के कुछ भाग में पालीथीन अपने द्वारा लगाया गया है । घर में छत एवं दरवाजा नहीं होने से जंगली जानवरों एवं जहरीले सांपो का डर रहता है। कई इंदिरा आवास अधूरे पड़े थे । मान. अध्यक्ष ने हितग्राही फूलसाय, बसंती, गुरूवार सिंह, शुक्रवार सिंह, वचन बाई आदि के घरो का निरीक्षण किया बच्चे नंगे घूम रहे थे एवं कुपोषित है । स्वास्थ्य अमला यहां कभी नहीं आता । हैण्डपम्प बिगड़ी हालत में है । पीने के पानी की दिक्कत है ।

मान. अध्यक्ष महोदय द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा को बच्चों को आंगनबाड़ी केन्द्र में भेजने, अपूर्ण इंदिरा आवास को पूर्ण कराने तथा बिगड़े हैण्डपम्प को सुधारने के निर्देश दिये गये ।

ग्राम– लालपुर में निरीक्षणः–

मान अध्यक्ष महोदय द्वारा दिनांक– 5.4.2011 को ग्राम लालपुर वि.ख. पोड़ी उपरोड़ा के मांझी पारा का आकिस्मक निरीक्षण किया गया । हितग्राही बिरदोर मांझी मंगलू, पत्नी श्रीमती सुनील बाई, श्रीमती सावित्री बाई, श्रीमती बुधवारा, श्रीमती मंगलिन, भगतराम आदि से मान. अध्यक्ष महोदय ने भेंट किया । अधिकांश पुरूषों की हालत विक्षिप्त पाई गई । इंदिरा आवास योजनान्तर्गत बने मकानो का दरवाजा खिड़की नहीं पाये गये ।

मान. अध्यक्ष द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा को घरों की मरम्मत, पीने के पानी की व्यवस्था हेतु आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये गये ।

मुरगी पालन केन्द्र ग्राम– लेप्राः–

मान. अध्यक्ष महोदय द्वारा दिनांक– 5.4.2011 को राज्य शासन द्वारा 45.00 लाख रू. की लागत से बनाया गया । मुर्गी पालन केन्द्र विगत 10 वर्षों से बंद है । मूलतः यह केन्द्र मिनीमाता हसदेव बांगो बांध के विस्थापितों हेतु स्थापित किया गया था । वर्तमान में उक्त मुर्गी पालन केन्द्र का संचालन आदिवासी विकास परिषद् द्वारा किया जा रहा है ।

केन्द्र ने कुल 10 पुरूष एवं 2 महिलाऐ कार्यरत होना बताया गया । मजदूर बिहानी बाई एवं हरारिन बाई द्वारा नियमित मजदूरी मिलना बताया गया ।

मान. अध्यक्ष द्वारा आदिवासी कुक्कुट पालन समिति बांगों के नाम पर समूह बनाकर परियोजना मद से राशि देने के निर्देश परियोजना प्रशासन को दिये गये । ।

ग्राम– मढई में आदिवासी हितग्राहियों से भेंटः–

दिनांक– 5.4.2011 को मान. अध्यक्ष महोदय ग्राम– मढई के आदिवासी हितग्राहियों, जिन्हें कृषि विभाग द्वारा स्प्रे एवं डीजल पंप वितरित किया गया है भेंट किया गया । हितग्राही पुरूषोत्तम द्वारा योजना का भरपूर लाभ लेना बतया गया ।

मान. अध्यक्ष द्वारा बिजली विभाग के अधिकारी को पंप चलाने हेतु बिजली कनेक्शन प्रदाय करने के निर्देश दिये गये ।

उद्यान विभाग द्वारा हितग्राहियों को आलू तथा टमाटर की फसल उत्पादन करने हेतु प्रोत्साहित करते हुए बीज वितरण करना बताया गया ।

मछली विभाग द्वारा हितग्राहियों को 10 किग्रा मछली बीज तथा मछली जाल का वितरण करना बताया गया ।

ग्राम– मेनकोना के धनुहार परिवार से भेंटः–

दिनांक– 5.4.2011 को मान. अध्यक्ष महोदय द्वारा धनुहार समाज के लोगों से भेंट कर उनके रहन सहन, रीति– रिवाज, बोली– भाषा, संस्कृति आदि की जानकारी ली गई । कोरबा जिले के उक्त ग्राम में सबसे अधिक धनुहार जाति निवासरत् है । उक्त ग्राम में उनकी कुल जनसंख्या लगभग 1000 बताई गई । इसी प्रकार ग्राम– लेप्रा में 60 परिवार, शिवपुर व धावेरा में लगभग 100 परिवार रहना बताया गया ।

बाल्को का निरीक्षण दिनांक– 6.4.2011–

मान. अध्यक्ष महोदय द्वारा दिनांक– 6.4.2011 को बाल्को का आकस्मिक निरीक्षण किया गया । बाल्को के श्री मनोज कुमार, जनरल मैनेजर द्वारा जानकारी दी गई कि उक्त प्लांट वर्ष 1974– 75 से प्रारंभ है । यहा कार्यरत कर्मचारियों के लिए आवास, चिकित्सा सुविधा, उचित वेतन आदि प्रदाय किया जाता है । कर्मचारियों के बच्चों की पढाई हेतु केन्द्रीय विद्यालय में पढाई की व्यवस्था की गई है ं इसके अतिरिक्त आस पास के प्रभावित ग्रमों में जनकल्याण के कार्य करना बताया गया । वेदांत स्कील योजना के तहत 12 वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उद्योग पर आधारित प्रशिक्षण देने का प्रोग्राम भी प्रारंभ

किया गया है । जिससे प्रशिक्षण प्राप्त कर निकलने वाले विद्यार्थियों को शतप्रतिशत नौकरी प्राप्त होने के अवसर रहते है । वेदांत द्वारा 350 बेड के केन्सर अस्पताल रामपुर में निकट भविष्य में प्रारंभ करना बताया गया । मैनपाट जिला– सरगुजा ने 2. आदिम जाति विकास विभाग के स्कूलों के ढांचागत सुदृढ़ीकरण हेतु आर्थिक सहायता दिया जाना बताया गया । ग्राम– चूहिया में स्वास्थ्य केन्द्र प्रारंभ किया गया है ।

मान. अध्यक्ष द्वारा माचाडोली विकासखंड– पोड़ी उपरोड़ा में स्वास्थ्य केन्द्र स्थापना तथा आदिवासी समुदाय हेतु कोरबा में सामुदायिक भवन की स्थापना के निर्देश दिये गये, जिस पर बाल्कों के श्री मनोज कुमार, जनरल मैंनेजर द्वारा सहमति दी गई ।

मान. अध्यक्ष द्वारा बाल्को प्लांट का निरीक्षण भी किया गया । आदिवासी मजदूर कुमार सिंह राठिया पिता आनंद राम, कार्यरत सामान्य इंजिनियरिंग विभाग द्वारा बताया गया कि वह कक्षा 5 वीं उत्तीर्ण है तथ क्रेन चलाता है । उसे कंपनी द्वारा हेलमेट मास्क तथा जूता प्रदाय किया गया है किन्तु मौके पर वह मास्क नहीं पहना था । उसे 168=00 रोजी तथा 10 रू. केन्टनी खर्च हेतु दिया जाता है ।

मान. अध्यक्ष महोदय द्वारा आदिवासी मजदूर पूरन सिंह पिता श्री खम्हन सिंह ग्राम भठगांव, वि.ख.– कोरबा श्री बृजलाल राठिया पिता श्री चंदन सिंह, श्री धनसिंह, पिता श्री झिरनूराम राठिया से भी चर्चा की गई । रविवार को अवकाश होना तथा वर्ष में 7 दिन आकस्मिक अवकाश व 20 दिन आर्जित अवकाश मिलना बताया गया ।

अजीत कुमार किसपोटटा पिता श्री कोन्दाराम, एम.ए.उत्तीर्ण, वरिष्ठ टेक्नीशियन द्वारा मान. अध्यक्ष महोदय को अवगत कराया गया कि वह 2006 से कार्यरत है उसे रू. 56000 प्रतिमाह वेतन, बच्चों की पढ़ाई की सुविधा, चिकित्सा सुविधा आदि प्राप्त होती है ।

मान. अध्यक्ष द्वारा बाल्को प्रबंधन से स्थानीय मजदूरों, खासकर आदिवासी वर्ग के लोगों को सेवा में रखने के निर्देश दिये गये जिसमें राज्य के लोगों को यही रोजगार मिल एवं उनका पलायन रूक सके । इसके अतिरिक्त संयंत्र में कार्यरत आदिवासी हितग्राहियों की सूची तथा भर्ती हेतु अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के विषय में जानकारी चाही गई जिसे प्रबंधन द्वारा अतिशीघ्र उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया ।

<u>सी.एस.पी.डी.एल विस्तार पटल (वेस्ट) का निरीक्षणः–</u>

मान. अध्यक्ष महोदय द्वारा कोरबा स्थित सी.एस.पी.डी.एल उत्पादन प्लांट विस्तार पटल (वेस्ट) का आकस्मिक निरीक्षण कर कार्यरत आदिवासी मजदूरी की जानकारी ली गई । कंपनी द्वारा अपने विस्तार परियोजना अंतर्गत सिविल कार्य का ठेका इन्दु कंपनी को दिया गया है । इन्दु कंपनी में कार्यरत महिलाए श्रीमती सिद्ध बाई, श्रीमती श्याम बाई तथा श्रीमती बसंती बाई से मान. अध्यक्ष महोदय ने भेंट किया । उनके द्वारा बताया गया कि उन्हे 130=00 रू. 8 घंटे कार्य करने का मजदूरी प्राप्त होता है । चाय नाश्ता हेतु अतिरिक्त पैसा नहीं दिया जाता ।

मान. अध्यक्ष द्वारा मजदूरी भुगतान पंजी का आकस्मिक निरीक्षण किया गया । जिसमें प्रति मजदूर 151=00 रू. देने का उल्लेख है । किन्तु पावती 130=00 रू का है शेष राशि

पी.एफ. में जमा किया जाता है । किन्तु उसका प्रमाण नहीं दिया गया । कार्यरत मजदूरों को सुरक्षा की दृष्टि से चप्पल देने के निर्देश दिये गये ।

अध्यक्ष द्वारा श्री हरीश विजेन्द्र प्रताप सिंह गोंड़ ग्राम– पाली जो विगत 7 माह से कार्यरत है से बातचीत की गई । 120=00 रू. प्रति दिन मजदूरी देना बताया गया । पी.एफ.नही कटना बताया गया । इसी प्रकार मजदूर रमसाय, लक्ष्मी प्रसाद, सहबीर सिंह से भी बातचीत की गई । सहबीर सिंह पिता जगदेव गोड़ ग्राम– शारदापुर थाना– चलगली, जिला– सरगुजा विगत 9 माह से कार्य कर रहा है । उसे प्रतिमाह रू. 5500=00 प्राप्त होता है । भोजन अलग से मिलता है । पी.एफ. भी कटता है । कार्य के दौरान जल जाने से उसका इलाज कराया गया । लगभग 8.00 लाख रूपये खर्च होना बताया गया । मान. अध्यक्ष द्वारा ठीक से इलाज कराने के निर्देश दिये गये ।

मान. अध्यक्ष द्वारा इन्दु कंपनी में मजदूरी भुगतान में अनियमितता होने संबंधी तथ्य दृष्टिगोचर होने के उपरांत मजदूर पंजीयन, पंजी जांच हेतु जप्त कर लिया गया ।

<u>आदिवासी सम्मेलन ग्राम– नवापारा, वि.ख.– करतलाः–</u>

दिनांक– 6.4.2011 को मान. अध्यक्ष महोदय द्वारा ग्राम नवापारा– वि.ख.– करतला में आदिवासी सम्मेलन में भाग लिया गया । ग्राम वासियों द्वारा अवगत कराया गया है कि गांव के 25 आदिवासियों की जमीन जिन्हें शासन द्वारा पट्टा प्रदाय किया गया

है उसे निरस्त कर गैर आदिवासियों को प्रदाय कर दिया गया है । ग्रामवासियों द्वारा अपनी भूमि पर पुनः कब्जा दिलाये जाने की मांग की गई है । मौके पर उपस्थित राजस्व अधिकारी श्री कुर्रे, डिप्टी कलेक्टर को आवश्यक निर्देश दिये गये ।

इसके अतिरिक्त ग्रामवासियों द्वारा पूर्व मा.शा. भवन छात्रावास, स्कूलों में आहता निर्माण, सड़क निर्माण एवं सामुदायिक भवन निर्माण की मांग की गई । मान. अध्यक्ष द्वारा मुख्य कार्य पालन अधिकारी जनपद पंचायत करतला को ग्रामवासियों के मांग के अनुरूप कार्यवाही के निर्देश दिए गए ।

<u>आदिवासी सम्मेलन ग्राम– कोलगा, वि.ख.– करतलाः–</u>

मान. अध्यक्ष द्वारा ग्राम– कोलग, वि.ख.– करतला में आदिवासी सम्मेलन में भाग लेकर ग्रामीणों को अपनी समस्यां छ.ग.राज्य अनुसूचिज जनजाति आयोग रायपुर के समक्ष रखने की सलाह दी । ग्रामवासियों द्वारा गांव में बने बांध के बहने से खेतों में नुकसान हुए फसल एवं भूमि के मुआवजे की मांग की गई । साथ ही खेतों से बांध के मलमे को हटाने की मांग भी की गई ।

<u>आदिवासी शक्तिपीठ कोरबाः–</u>

मान. अध्यक्ष महोदय द्वारा दिनांक– 6.4.2011 को आदिवासी द्वारा कोरबा में स्थापित आदिवासी शक्तिपीठ में जाकर देवी देवताओं की पूजा अर्चना कर आर्शीवाद प्राप्त किया गया । आदिवासी समाज द्वारा जाति प्रमाण पत्र जारी करने संबधित नियमों में शिथिलता किये जाने संबंधी नियमों का सरलीकरण की मांग पर उचित कार्यवाही का भरोसा दिलाया गया।

<u>मोवार/मौवार जाति की जनसुनवाईः–</u>

मान. अध्यक्ष महोदय द्वारा कोरबा, रायगढ़, जांजगीर–चांपा, तथा बिलासपुर जिले में निवासरत् मोवार/मौवार समाज के लोगों की जनसुनवाई दिनांक– 7.4.2011 को विश्रामगृह कोरबा में की गई । इस अवसर पर उक्त समाज के लगभग 400 सदस्य उपस्थित थे । मान. अध्यक्ष महोदय द्वारा समाज की संस्कृति, रहन–सहन, रीति– रिवाज, बोली–भाषा, जन्म संस्कार, मृत्यु संस्कार, विवाह संस्कार, टोटम टोटका, देवी– देवता, लोक गीत आदि के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त किया गया ।

<u>जिलास्तरीय समीक्षा बैठकः–</u>

मान. श्री देवलाल दुग्गा, अध्यक्ष द्वारा दिनांक–07.04.2011 को कलेक्टर कार्यालय कोरबा में आदिवासी समुदाय हेतु जिले में चलाये जा रहे कल्याणकारी योजनाओं की जिलास्तरीय बैठक ली गई । इस अवसर पर श्री रतनलाल डांगी पुलिस अधीक्षक कोरबा भी उपस्थित थे ।

पशुपालन विभागः–

कुक्कुट पालन, बकरी पालन तथा सुकर पालन पर जोर दिया गया । अलग– अलग योजना में अलग– अलग हितग्राहियों का चयन करने के निर्देश दिये गये । उपसंचालक, पशु चिकित्सा बैठक में अनुपस्थित रहे । नाराजगी व्यक्त किया गया ।

वन विभागः–

वन विभाग के डी.एफ.ओ. बैठक में अनुपस्थित रहे । लाख उत्पादन में हितग्राहियों को प्राप्त लाभांश की जानकारी अप्राप्त । आदिवासियों को पौधा वितरण, बिगड़े वनो के सुधार का कार्य किया जा रहा है । हाथी रहवास योजना, एनीकट एवं कास रोपण योजना चलाई जा रही है । हुल्लाड़ पाटी (बंगाल के एक्सपर्ट) द्वारा हाथियों को भगाये जाने की जानकारी विभागीय अधिकारी द्वारा दी गई ।

आदिम जाति कल्याण विभाग/परियोजनाः–

आदिवासियों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रदाय कर रोजगार के अवसर दिये जावे । प्रशिक्षिण हेतु उपकरण की व्यवस्था की जावे । सायकल मरम्मत, मोमबत्ती बनाने का कार्य, राजमिस्त्री प्रशिक्षण, हैण्डपंप मैकेनिक प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिये गये ।

उद्यानिकी विभागः–

समन्वित सब्जी विकास योजनान्तर्गत सब्जी बीज का वितरण किया जाना है । मान अध्यक्ष महोदय द्वारा कृषि विभाग द्वारा पंप प्रदाय किये गये हितग्राहियों को सब्जी उत्पादन हेतु प्रोत्साहित करने के निर्देश दिये गये ।

इसके अतिरिक्त जिले के आदिवासी सब्जी विक्रेताओं को कोरबा के मुख्य सब्जी बाजार में दुकान आबंटित कर सब्जी बेचने की व्यवस्था एवं उनके लिए बोर्ड बनाकर प्रचार प्रसार करने के निर्देश भी दिए गए ।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभागः–

जिले में बिगड़े हुए समस्त हैण्डपंप को सुधारने तथा गर्मी में पीने के पानी की व्यवस्था करने कहा गया । पहाड़ी कोरबा जनजाति हेतु पीने के पानी की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये । सभी जिला अधिकारियों से आपसी समन्वय बनाकर बिगड़े हैण्डपंपों की जानकारी कलेक्टर अथवा पी.एच.ई. विभाग के अधिकारियों को देने के निर्देश दिए गए ।

ग्रामीण विकास एवं प्रधानमंत्री सड़क योजनाः–

प्रधानमंत्री सड़क योजनान्तर्गत 13 कार्य पूर्ण एवु 245 कार्य अपूर्ण बताये गये है । अपूर्ण कार्यो हेतु पुनः निविदा आमंत्रित की जा रही है । मान. अध्यक्ष द्वारा अपूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये गये ।

जल संसाधन विभागः–

हसदेव बांगो बांध का कार्य पूर्ण हो चुका है यदाकदा रिपेयर का कार्य किया जाता है । उद्योगों को जलप्रदाय किया जाता है ं जिसका बीते वित्तीय वर्ष में 184.00 करोड़ का राजस्व प्राप्त होना बताया गया । इसके अतिरिक्त कोरबा, रायगढ़ एवं जांजगीर जिलों को सिंचाई हेतु पानी प्रदाय किया जाता है ।

राजस्व विभागः–

जिले में 170 (ख) के कुल 1390 प्रकरण दर्ज थे जिसमें से 1386 का निपटारा हो चुका है ं 4 प्रकरण पर कार्यवाही चल रही है । इसी प्रकार जिले में 2400 से अधिक वन अधिकार पट्टो का वितरण पात्र लोगों को किया जा चुका है ।

मान. अध्यक्ष द्वारा आदिवासियों की जमीन गैर आदिवासियों को न बिके इसका पूरा ध्यान रखने के निर्देश दिये गये ।

पुलिस विभागः–

अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत कार्यवाही जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर की जाती है। किन्तु इसके अभाव में कार्यवाही में व्यवधान होता है एवं राहत राशि भी समय पर प्राप्त नहीं हो पाता ।

राष्ट्रीय गांधी शिक्षा मिशनः–

धनुर विद्या प्रशिक्षण हेतु 15.00 लाख व्यय किया गया । तथा उपकरण/कीट वितरण भी किया गया । मान. अध्यक्ष महोदय द्वारा पहाड़ी कोरबा के सभी बच्चों को कस्तूरबा आश्रम में प्राथमिकता से रखने के निर्देश दिये गये ।

महिला एवं बाल विकास विभागः–

अनुसूचित जनजाति वर्ग के कुपोषित माताओं एवं बच्चों को कुपोषण से मुक्ति दिलाने हेतु पौष्टिक आहार प्रदाय करने के निर्देश दिये गये ।

श्रम विभागः–

स्थानीय लोगो को रोजगार प्रदान किया जावे । मजदूरों की सुरक्षा, पारिश्रमिक, बीमा, स्वास्थ्य एंव अन्य सुविधाओं का सम्पूर्ण ध्यान रखा जावे तथा निरीक्षण पंजी में टीप लिखा जावे ।

अंत में मान. अध्यक्ष महोदय द्वारा समस्त जिला अधिकारियों से आहवान किया गया कि वे आदिवासियों के कल्याण हेतु राज्य शासन द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन समुचित रूप से करे, ताकि जरूरतमंद लोगों को इसका सम्पूर्ण लाभ मिल सके ।

(मान. अध्यक्ष महोदय द्वारा अनुमोदित)

सदस्य सचिव
छ.ग. राज्य अनुसूचित जनजाति
आयोग, रायपुर